# महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान हमारे लिए सर्वोपरी: महापौर

**जबलपुर।** महिलाओं और लड़कियों के लिए सुरक्षित और सक्षम सार्वजनिक स्थान सुनिश्चित करने के लिए जबलपुर ने एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। यूएन वीमेन के वैश्विक कार्यक्रम "Safe and Inclusive Public Spaces for Women and Girls" के तहत जबलपुर को भारत का एकमात्र प्रतिनिधि शहर चुना गया है। इसी क्रम में एमपीटी कलचुरी में एक उच्च स्तरीय स्टेकहोल्डर परामर्श का आयोजन किया गया, जिसमें वरिष्ठ सरकारी अधिकारी, पुलिस नेतृत्व, परिवहन संघों, समुदाय प्रतिनिधि, युवा और यूएन वीमेन के विशेषज्ञ शामिल हुए।

महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने इस अवसर पर कहा, "हमारे लिए महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान सर्वोपरि है। तंजानिया में आयोजित ग्लोबल सेफ सिटीज कॉन्फ्रेंस में भारत का प्रतिनिधित्व करना जबलपुर के लिए ऐतिहासिक और सौभाग्यपूर्ण अवसर है। यह पहल राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शहर की पहचान बढ़ाएगी।" परामर्श का उद्देश्य सार्वजनिक स्थलों पर महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ हिंसा रोकने के लिए आगामी कार्ययोजना तैयार करना और विभिन्न हितधारकों के सुझाव लेना था। इसमें पर्यटन स्थल, सार्वजनिक स्थल, पेट्रोल पंप, मेट्रो बस, रेलवे

स्टेशन, एयरपोर्ट, ऑटो चालक यूनियन, विश्वविद्यालय, स्कूल, महिला कॉलेज, होटल और शॉपिंग मॉल के प्रतिनिधि शामिल हुए। नगर निगम की ओर से महापौर अन्नू और यूएन वीमेन की ओर से कंट्री हेड कांता सिंह ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। यह समझौता महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ हिंसा रोकने, व्यवहार परिवर्तन लाने और समावेशी शहरी विकास को बढ़ावा देने के लिए एक रणनीतिक कदम है।

यूएन वीमेन की वैश्विक विशेषज्ञ लौरा कैपोबियान्को ने 32 देशों के 70 शहरों से अंतरराष्ट्रीय सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा किया। उन्होंने जबलपुर के प्रयासों की सराहना की और कहा कि सतत प्रयास से शहर महिला सुरक्षा में अंतरराष्ट्रीय पटल पर ख्यातिलब्ध होगा। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और युवा प्रतिनिधियों ने सुरक्षित आवागमन, लिंग-संवेदनशील शहरी डिजाइन और जागरूकता बढ़ाने के महत्व पर प्रकाश डाला। सेफ सिटी कार्यक्रम के तहत, जबलपुर में जेंडर सेफ्टी सर्वे शुरू किया जाएगा, जिसमें शहर के सभी वार्डों में डेटा इकट्ठा किया जाएगा। इस पहल से शहर में महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और सार्वजनिक जीवन में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित होगी।

### स्टैंडिंग कमेटी की बैठक : राजनैतिक दलों को दी गई जानकारी

# जिले में 166 नए मतदान केंद्र बनेंगे

**जबलपुर।** जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर राघवेंद्र सिंह की अध्यक्षता में स्टैंडिंग कमेटी की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को निर्वाचक नामावली के विशेष गहन पुनरीक्षण के संशोधित कार्यक्रम की जानकारी दी गई। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा एसआईआर के लिए प्रासंगिक तिथियों को एक सप्ताह बढ़ाकर संशोधित कार्यक्रम की घोषणा की गई है। इसके अनुसार, गणना अवधि अब 11 दिसंबर हो गई है और मतदान केंद्रों के युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया भी 11 दिसंबर तक पूरी कर ली जाएगी। नियंत्रण तालिका का अद्यतनीकरण और ड्राफ्ट रोल की तैयारी 12 दिसम्बर से 15 दिसम्बर तक की जायेगी। मतदाता सूची का प्रारूप प्रकाशन 16 दिसंबर को किया जाएगा और दावे-आपत्तियां दाखिल करने की अवधि 16 दिसंबर से 15 जनवरी तक होगी। इसके बाद, गणना प्रपत्रों पर निर्णय और दावे एवं आपत्तियों का निपटान 16 दिसम्बर से 7 फरवरी तक किया जाएगा। मतदाता सूची के मापदंडो की जांच और अंतिम प्रकाशन के लिए आयोग की अनुमति की अवधि 10 फरवरी है और मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 14 फरवरी 2026 को किया जाएगा। इसके साथ ही जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतदान केंद्रों के युक्तियुक्तकरण की जानकारी देते हुए बताया कि जिले में पहले 2 हजार 154 मतदान केंद्र थे, लेकिन अब ईसीआई द्वारा अनुमोदित कुल मतदान केंद्र 2 हजार 320 हो चुके हैं। प्रस्तावित किए गए 166 नवीन मतदान केंद्रों में विधानसभा क्षेत्र पाटन के 29, बरगी के 18, जबलपुर पूर्व के 41, जबलपुर उत्तर के 7, जबलपुर केंट के 13, जबलपुर पश्चिम के 13, पनागर के 29 और सिहोरा के 16 मतदान केंद्र शामिल हैं। बैठक में भारतीय जनता पार्टी से शंकर श्रीवास्तव, श्री अभय सिंह, इंडियन नेशनल कॉंग्रेस से संजय यादव, फिरोज ठाकरे, बहुजन समाज पार्टी से लखन अहिरवार और ओमप्रकाश पटेल शामिल थे। बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती ज्योति परस्ते भी मौजूद थीं।

- निजी स्कूलों की फीस वृद्धि मामले में ओपन कोर्ट में टिप्पणी
- रिट अपील पर सुनवाई पूरी, सुरक्षित किया आदेश

# यदि बच्चों को कम फीस में पढ़ाना है, तो सरकारी स्कूलों में दाखिला दिला दें

हरिभूमि जबलपुर।

मप्र हाईकोर्ट में मंगलवार को जबलपुर निजी स्कूलों की फीस वृद्धि मामले की सुनवाई हुई। इस दौरान ओपन कोर्ट में टिप्पणी की गई कि यदि बच्चों को कम फीस में पढ़ाना है, तो सरकारी स्कूलों में दाखिला दिला दें। जस्टिस विवेक रूसिया व जस्टिस प्रदीप मित्तल की डिवीजन बेंच ने मामले में दोनों पक्षों की बहस पूरी होने के साथ की आदेश सुरक्षित कर लिया है। सरकारी स्कूलों में दाखिले की टिप्पणी को लेकर अपीलकर्ता व हस्तक्षेपकर्ताओं की ओर से साफ किया गया कि अभिभावकों का मौलिक अधिकार है कि वे अपने बच्चों को निजी स्कूलों में जायज फीस अदा कर पढ़ाएं।

हस्तक्षेपकर्ता मध्य प्रदेश अभिभावक संघ की ओर से अधिवक्ता सुरेन्द्र वर्मा ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि निजी स्कूल हाई कोर्ट के 10 प्रतिशत फीस वृद्धि की छूट संबंधी आदेश की मनमानी व्याख्या कर हर शिक्षण सत्र में 10 प्रतिशत फीस बढ़ाने पर आमादा हो गए हैं। जबकि यह रवैया अनुचित है। कायदे से आवश्यकता के अनुरूप फीस बढ़ाई जा

सकती है। अभिभावक जायज फीस देने राजी हैं। वे सिर्फ मनमानी फीस वृद्धि के विरुद्ध हैं।

दरअसल, पूर्व में छात्रों की याचिका जिला शिक्षा समिति के आदेश को राज्य शिक्षा कमेटी के समक्ष चुनौती देने की स्वतंत्रता दिए जाने के निरस्त कर दी गई थी, जिसके बाद युगलपीठ के समक्ष रिट अपील दायर हुई है। इसी सिलसिले में अपीलकर्ता के साथ हस्तक्षेपकर्ता पक्ष रखने आगे आए हैं।

## *पूर्व आदेश का पालन नहीं करने पर हाईकोर्ट ने नगर निगम आयुक्त को बुलाया*

**जबलपुर।** नियमितिकरण से जुड़े एक मामले में पूर्व आदेश का पालन नहीं करने पूर्व आदेश का पालन नहीं करने और अवमानना में जवाब पेश नहीं करने पर हाईकोर्ट ने नगर निगम आयुक्त कोऔर अवमानना में जवाब पेश नहीं करने पर हाईकोर्ट ने नगर निगम आयुक्त को अगली सुनवाई के दौरान व्यक्तिगत रूप से हाजिर होकर स्पष्टीकरण पेश करने के निर्देश दिए। जस्टिस डीडी बंसल की सिंगल बेंच ने संबंधित अधिवक्ता को कहा है कि निगमायुक्त को आदेश परिपालन के लिए सूचित करें। अगली सुनवाई 8 दिसंबर को होगी। जबलपुर निवासी राकेश शुक्ला की ओर से अधिवक्ता दीपक सिंह ने पक्ष रखा। उन्होंने बताया कि वर्ष 2003-04 में नगर निगम ने 74 दैनिक वेतन भोगियों को नियमित किया था। कुछ शिकायतें मिलने पर पुनः दैवेभो कर दिया। पूर्व में हाईकोर्ट ने इस मामले में विस्तृत आदेश देते हुए कर्मचारियों को नियमित करने के आदेश दिए थे। कोर्ट ने कहा था कि उन सभी कर्मचारियों के मामलों पर विचार करें जिनका नियमितीकरण किया गया था। कोर्ट ने यह भी कहा था कि मृत कर्मचारियों के मामलों पर उनके कानूनी बकाया और उनके बच्चों की अनुकंपा नियुक्ति दी जाए। जो कर्मचारी पहले ही सेवानिवृत्त हो चुके हैं, उनके मामलों पर कानून के अनुसार उनके सेवानिवृत्ति बकाया या पेंशन का भुगतान करें। नगर निगम ने इसके विरुद्ध हाईकोर्ट में अपील पेश की थी। हाईकोर्ट ने अपील खारिज कर आदेश का पालन करने कहा था। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने भी नगर निगम की विशेष अनुमति याचिका निरस्त कर दी थी। जब आदेश का पालन नहीं हुआ तो याचिकाकर्ताओं ने अवमानना याचिका दायर की।

अब राज्य शासन की ओर से रखा जाएगा पक्ष, वरिष्ठ अधिवक्ता सीएस वैद्यनाथन खड़े होंगे

16 दिसंबर को अगली सुनवाई, राज्य की जनवरी तक सुनवाई बढ़ाने की मांग नामंजूर

# प्रमोशन में आरक्षण मामला, याचिकाकर्ताओं की बहस पूरी

**जबलपुर।** मप्र हाईकोर्ट में मंगलवार को मध्य प्रदेश में प्रमोशन में आरक्षण मामले की सुनवाई हुई। इस दौरान याचिकाकर्ताओं की ओर से पूर्व में अधूरी रह गई बहस को पूरा किया गया। इसके बाद राज्य शासन की बहस प्रारंभ होनी थी। लेकिन मप्र शासन की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता जान्हवी पंडित ने अवगत कराया कि राज्य का पक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता सीएस वैद्यनाथन रखेंगे, जो अभी किसी अन्य प्रकरण की पैरवी में व्यस्त हैं। लिहाजा, सुनवाई जनवरी तक आगे बढ़ा दी जाए। चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा व जस्टिस विनय सराफ की डिवीजन बेंच ने यह आग्रह स्वीकार नहीं किया। मामले की गंभीरता के मद्देनजर अगली सुनवाई 16 दिसंबर को नियत कर

दी। याचिकाकर्ताओं की ओर से लगभग आधे घंटे तक की गई अंतिम चरण की बहस में मूलभूत रूप से राज्य शासन द्वारा सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन का पालन न किए जाने के बिंदु पर जोर दिया गया। साथ ही सुप्रीम कोर्ट के न्यायदृष्टांत रेखांकित करते हुए प्रमोशन में आरक्षण की नई नीति को असंवैधानिक घोषित करने पर बल दिया गया। यह भी कहा गया कि सरकार ने बिना आंकड़े जुटाए प्रमोशन पालिसी लागू करने की तैयारी कर ली है, जो कि मनमानी का पर्याय है।

### 38 याचिकाओं पर हुई 11 वीं सुनवाई

इस मामले में याचिकाकर्ता सपाक्स, अजाक्स संघ सहित 38 याचिकाओं पर एक साथ 11 वीं सुनवाई हुई। इसके साथ ही अनेक कर्मियों की हस्तक्षेप याचिकाओं को भी सुना गया। याचिकाकर्ताओं व हस्तक्षेपकर्ताओ की ओर से दलील दी गई कि जातिगत प्रमोशन से एक ऐसी क्लास खड़ी होगी, जो कि बराबरी की परिभाषा से ऊपर उठ जाएगी। उससे फिर दोष पैदा होगे, जो कि आर्टिकल 14 और 16 के सिद्धांत के अनुसार नहीं होगी।

### क्या है मामला

राजधानी भोपाल निवासी डा. स्वाति तिवारी व अन्य की ओर से दायर याचिकाओं में मध्य प्रदेश लोक सेवा पदोन्नति नियम 2025 को चुनौती दी गई है। दलील दी गई कि वर्ष 2002 के नियमों को हाई कोर्ट के द्वारा आरखी राय के केस में समाप्त किया जा चुका है। इसके विरुद्ध मप्र शासन ने सुप्रीम कोर्ट में विशेष अनुमति याचिका दायर की गई है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में यथास्थिति बनाए रखने के आदेश दिए हैं। सुप्रीम कोर्ट में मामला अभी लंबित है, इसके बावजूद मप्र शासन ने महज नाम मात्र का शाब्दिक परिवर्तन कर जस के तस नियम बना दिए।

### दिल्ली हाई कोर्ट ने केंद्र सरकार को भेजा नोटिस

# कैंट बोर्ड चुनाव की उम्मीद फिर जागी

हरिभूमि जबलपुर।

कैंट बोर्ड सदस्यों के चुनाव की आस फिर जाग गई है। दरअसल, दिल्ली हाईकोर्ट ने लंबे समय से बंद पड़े कैंट बोर्ड के चुनाव नहीं कराए जाने संबंधी एक याचिका पर सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार को फटकार लगाते हुए नोटिस जारी किया है। इसी तरह की एक याचिका जबलपुर हाईकोर्ट में भी लंबित है। उक्त याचिका पर भी जल्द सुनवाई हो सकती है। उल्लेखनीय है कि दिल्ली हाईकोर्ट ने गत दिवस एक याचिका पर सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने कहा कि देश में 60 से ज्यादा कैंटोनमेंट बोर्ड हैं। ये बोर्ड कैंटोनमेंट के तौर पर तय इलाकों को निगम प्रशासन की तरह व्यवस्थित करता है। इन बोर्ड के सदस्यों को चुनने के लिए पिछले चुनाव जनवरी 2015 में हुए थे, जिनका कार्यकाल 2020 में खत्म हो गया था।

इसके बाद से अब तक चुनाव नहीं कराए गए हैं।

### यह बताया गया कोर्ट में

कैंट अधिनियम, 2006 की धारा 12 में निर्वाचित सदस्यों सहित इन बोर्डों के गठन का प्रावधान है, लेकिन सरकार संविधान में बदलाव करने के लिए धारा 13 के तहत अधिसूचनाएं जारी कर रही है और चुनाव नहीं करा रही है। न्यायालय ने दर्ज किया कि धारा 13 के तहत, छावनी बोर्ड के गठन में परिवर्तन करने की शक्ति का प्रयोग केवल दो परिस्थितियों में किया जा सकता है। सैन्य अभियान के कारण या कैंटोनमेंट के प्रशासनिक कार्य की वजह से। इसने पाया कि जब धारा 13 के तहत अधिसूचना जारी की जाती है, तो बोर्ड में कोई निर्वाचित सदस्य नहीं होता है और इसलिए, इन अधिसूचनाओं का निरंतर और बार-बार उपयोग किया जाता है यह उस लोकतांत्रिक प्रक्रिया को विफल करता है जिसके द्वारा छावनी, अधिनियम में परिकल्पना की गई है। न्यायालय ने केंद्र सरकार के साथ-साथ रक्षा संपदा महानिदेशक (डीजीडीई) को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। मामलें की अगली सुनवाई 11 मार्च को होगी। न्यायालय ने यह भी कहा कि अब इस याचिका को जनहित याचिका के रुप में माना जायेगा।

### बेहतर उपभोक्ता सेवा के देने साथ बिजली कंपनी कार्मिकों के प्रति भी है संवेदनशील: गिरिया सीई

**जबलपुर फेडरेशन स्थापित मूल्यों, सकारात्मक सोच के साथ सभी कार्मिकों, पेंशनर्स हितार्थ हरसंभव कार्य करेगा: राकेश डीपी पाठक**

**जबलपुर।** मुख्य अभियंता क्षेत्र श्री एस के गिरिया साहब ने कहा कि पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी का मूल्य उद्देश्य है कि सभी बिजली उपभोक्ताओं को बेहतर उपभोक्ता सेवा देने के साथ सभी को बिजली की गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति निरंतर हो। श्री गिरिया साहब ने कहा कि इसके साथ-साथ बिजली कंपनी अपने सभी श्रेणी के कार्यरत कर्मचारियों के प्रति भी अति संवेदनशील है और सदैव सकारात्मक सोच के साथ कर्मियों के हित में लगातार कार्य कर रही है। सकारात्मक निर्णय लें रही है। मध्यप्रदेश विद्युत कर्मचारी संघ फेडरेशन के महामंत्री राकेश डीपी पाठक के साथ वरिष्ठ नेता यूके पाठक, दिनेश दुबे, सीताराम कुरचानिया, अनूप वर्मा, उमाशंकर दुबे सहित बड़ी संख्या में प्रतिनिधी मंडल ने पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी जबलपुर के मुख्य अभियंता श्री एस के गिरिया जी से सौजन्य भेंट कर चर्चा की। फेडरेशन की ओर से सभी ने मुख्य अभियंता का माला,पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। फेडरेशन के महामंत्री राकेश डी पी पाठक ने बिजली सेक्टर कि प्रगति और कर्मचारियों के हितार्थ फेडरेशन की सकारात्मक सोच के साथ किए जा रहे कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर फेडरेशन के महामंत्री राकेश पाठक ने मुख्य अभियंता श्री एस के गिरिया साहब को आश्वस्त किया कि फेडरेशन अपने स्थापित मूल्यों, सकारात्मक सोच के साथ बिजली कंपनियों में कार्यरत सभी श्रेणियों कार्मिकों, संविदा, आउट सोर्स कर्मचारियों और सम्माननीय पेंशनरों की न्यायोचित मांगों, समस्याओं को आपके समक्ष समय - समय पर रखेगा। राकेश पाठक ने कहा कि फेडरेशन के संस्थापक महामंत्री डी पी पाठक जी का मूल मंत्र रहा है कि बिजली उद्योग की प्रगति से ही कर्मचारियों की प्रगति,समृद्धि संभव है। फेडरेशन आज इसी मूलमंत्र को लेकर कार्य कर रही है। राकेश डी पी पाठक ने कहा कि आज बिजली सेक्टर की सभी कंपनियों में कार्यरत सभी श्रेणियों के कार्मिकों और पेंशनर्स के हित में लगातार सकारात्मक निर्णय लिए जा रहे हैं फेडरेशन इसके लिए ऊर्जा सचिव जी, ऊर्जा विभाग, सभी बिजली कंपनियों के प्रबंध निर्देशक गणों जी और सीजीएम मानव संसाधन एवं प्रशासन का हृदय से आभार व्यक्त करता है। प्रतिनिधि मंडल में मध्यप्रदेश विद्युत कर्मचारी संघ फेडरेशन के महामंत्री राकेश डी पी पाठक,वरिष्ठ नेता यू के पाठक, दिनेश दुबे, अनूप वर्मा, सीताराम कुरचानिया, उमाशंकर दुबे,एम पी तिवारी, मोहित पटेल, अतुल विश्वकर्मा, आदि उपस्थित थे।

# 16 दिसंबर से 15 जनवरी तक दावा आपत्ति की जा सकेगी

### *एसआईआर : संशोधित कार्यक्रम की कलेक्टर ने दी जानकारी*

**जबलपुर।** जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने यहां कहा कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा एसआईआर के लिए प्रासंगिक तिथियों को एक सप्ताह बढ़ाकर संशोधित कार्यक्रम की घोषणा की गई है। इसके अनुसार, गणना अवधि अब 11 दिसंबर हो गई है और मतदान केंद्रों के युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया भी 11 दिसंबर तक पूरी कर ली जाएगी। कलेक्टर यहां पत्रकारों से चर्चा कर रहे थे। उन्होंने बताया कि नियंत्रण तालिका का अद्यतनीकरण और ड्राफ्ट रोल की तैयारी 12 दिसम्बर से 15 दिसम्बर तक की जायेगी। मतदाता सूची का प्रारूप प्रकाशन 16 दिसंबर को किया जाएगा और दावे-आपत्तियां दाखिल करने की अवधि 16 दिसंबर से 15 जनवरी तक होगी। इसके बाद, गणना प्रपत्रों पर निर्णय और दावे एवं आपत्तियों का निपटान 16 दिसम्बर से 7 फरवरी तक किया जाएगा। मतदाता सूची का मापदंडो की जांच और अंतिम प्रकाशन के लिए आयोग की अनुमति की अवधि 10 फरवरी है और मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 14 फरवरी 2026 को किया जाएगा।

## सड़क दुर्घटना में ट्रक डाईवर की मौत

**जबलपुर।** सिहोरा थाना अतंर्गत ओवर ब्रिज मझौली बाईपास के पास सड़क दुर्घटना में एक ट्रक डाईवर की मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है। सिहोरा पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार कौशम्बी यूपी निवासी 36 वर्षीय ट्रक डाईवर अवधेश कुशवाहा और ग्राम महगांव कौशम्बी यूपी निवासी 36 वर्षीय ट्रक डाईवर नसीम अहमद दोनों ट्रक यूपी 70 एनटी 7216 में खाली कैरिट लोड कर मिर्जापुर उप्र से छपरा सिवनी आ रहे थे। रात 2 बजे रीवा आने तक नसीम ने ट्रक को चलाया उसके बाद ट्रक को अवधेश कुशवाहा चलाने लगा। नसीम ट्रक में ही सो गया था। रीवा से सिहोरा पहुंचकर लगभग 9 बजे खटखटाने की आवाज पर वह उठा तो देखा कि ट्रक सिहोरा बाईपास रोड पर खड़ा था तथा 50 मीटर आगे रोड पर ड्राईवर अवधेश मृत अवस्था में पड़ा था। सम्भवतः सिहोरा बाईपास रोड पर पहुंचकर अवधेश ट्रक को रोककर नीचे उतरकर जा रहा होगा तभी किसी अज्ञात वाहन के चालक ने अवधेश को टक्कर मार दी, गम्भीर चोटें आने से अवधेश कुशवाहा की मृत्यु हो गयी है। पुलिस ने पंचनामा कार्यवाही कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाते हुये मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया गया।

### पश्चिम मध्य रेलवे का प्रयास, 130 किमी क्षमता का लक्ष्य

## उत्तर–दक्षिण को जोड़ने वाले रेल मार्ग पर बढ़ेगी रफ्तार

**जबलपुर।** पश्चिम मध्य रेलवे के भोपाल और कोटा मंडलों में रेल ट्रैक की अधिकतम स्पीड क्षमता लगातार बढ़ रही है और कई सेक्शन 130 किमी प्रतिघंटा या उससे अधिक की गति से ट्रेन संचालन के योग्य हो चुके हैं। इसके विपरीत जबलपुर रेल मंडल के इटारसी–जबलपुर–मानिकपुर सेक्शन में अब तक ट्रैक की अधिकतम गति क्षमता 110 किमी प्रतिघंटा से आगे नहीं बढ़ सकी है। हालांकि रेलवे बोर्ड ने अगले वर्ष 2026 तक इस महत्वपूर्ण खंड की स्पीड सीमा को 130 किमी प्रतिघंटा तक बढ़ाने का लक्ष्य निर्धारित किया है, जिसके लिए इंजीनियरिंग विभाग ने काम तेज कर दिया है। उल्लेखनीय है कि प्रयागराज–मानिकपुर सेक्शन पहले ही 130 किमी प्रतिघंटा की क्षमता प्राप्त कर चुका है, जबकि इटारसी–जबलपुर–मानिकपुर मार्ग लगभग 450 किलोमीटर लंबा, उत्तर भारत को पश्चिम और दक्षिण भारत से सीधे जोड़ने वाला अत्यंत महत्वपूर्ण कॉरिडोर है। इस मार्ग पर ट्रेनों की गति सीमित रहने से कई एक्सप्रेस और सुपरफास्ट ट्रेनों का समय प्रभावित होता है और भविष्य की उच्च गति ट्रेन योजनाएँ भी प्रभावित होती हैं।

### सुपर मार्केट में दुर्घटना, निगमायुक्त स्वयं मौके पर पहुंचे

# कपड़े के कारखाने में भड़की भीषण आग, 1 करोड़ की क्षति का अनुमान

**जबलपुर।** शहर के व्यस्ततम क्षेत्र सुपर मार्केट के सामने स्थित सतना बिल्डिंग में मंगलवार की दोपहर एक कपड़े के गोदाम में अचानक भीषण आग लग गई। बताया जाता है कि क्लासिक गारमेंट्स के शोरूम और गोदाम को चंद ही मिनटों में आग की लपटों ने अपनी चपेट में ले लिया। घटना की सूचना मिलते ही एक दर्जन से ज्यादा दमकल वाहन मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पाया। चार मंजिला कपड़ों का यह कारखाना मंगलवार होने से बंद था, लिहाजा आग काफी भड़क चुकी थी उसके बाद भागदौड़ मची। घटना की जानकारी मिलने पर निगामायुक्त रामप्रकाश अहिरवार स्वयं मौके पर पहुंचे।

इस कारखाने का संचालन तरुण जैन के क्लासिक शोरूम द्वारा किया जाता है। इस दुर्घटना में करीब एक करोड़ रुपए से ज्यादकसान होना बताया जा रहा है।

बताया गया है कि तरुण जैन की सतना बिल्डिंग के

पीछे चार मंजिला सलवार सूट बनाने का कारखाना है। यहां पर मंगलवार दोपहर अचानक ही आग लग गई। उन्होंने बताया कि मंगलवार की वजह से कारखाना बंद था और किसी को जानकारी नहीं लग पाई। आगे जब पीछे से होते हुए सामने तक पहुंची तब स्थानीय लोगों ने देखा और तुरंत ही तरुण जैन को सूचना दी गई।

खबर मिलते ही दमकल विभाग की टीम पहुंची और आग को बुझाना शुरू किया। कारखाने के आसपास बिल्डिंग में रहने वाले लोगों को बाहर निकाला गया है। घटना की जानकारी लगते ही नगर निगम आयुक्त रामप्रकाश अहिरवार मौके पर पहुंचे और जल्द से जल्द आग बुझाने के दमकल विभाग के कर्मचारियों को निर्देश दिए।

एक-एक कर फायर ब्रिगेड की कुल 12 गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग बुझाने में जुट गईं। राहत की बात यह रही कि भीड़भाड़ वाले क्षेत्र को देखते हुए आम नागरिकों को तुरंत दूर किया गया, जिससे किसी तरह की जनहानि नहीं हुई। दुर्घटना के कारणों का खुलासा अभी नहीं हुआ है संभावना बताई जा रही है कि विद्युत शॉर्ट-सर्किट की वजह से यह दुर्घटना हुई।

# गीता जयंती महोत्सव : 6000 स्कूली विद्यार्थियों ने सामूहिक रूप से किया 15वां अध्याय का वाचन

## जबलपुर में संभाग स्तरीय आयोजन

**जबलपुर।** पंडित लज्जा शंकर झा शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय (मॉडल स्कूल) में आज गीता जयंती महोत्सव का संभाग स्तरीय आयोजन राज्य शासन के निर्देशानुसार मध्य प्रदेश संस्कृति विभाग, विश्व गीता प्रतिष्ठान और स्कूल शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन, मां सरस्वती और श्रीमद्भागवतगीता के पूजन-अर्चन के साथ हुआ। अतिथियों का तिलक, शॉल और तुलसी का पौधा भेंटकर स्वागत किया गया।

इस अवसर पर जगतगुरु राघव देवाचार्य जी महाराज ने गीता के उपदेश पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गीता एक पवित्र ग्रंथ है, जिसका नियमित पाठ कर इसके संदेश को जीवन में अपनाना चाहिए। उन्होंने सभी उपस्थित बच्चों से सामूहिक रूप से गीता के 15वें अध्याय का वाचन कराया। इस वाचन में जिले के विभिन्न विद्यालयों से आए लगभग 6000 बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसे नेतृत्व संस्कृत विद्यालयों के बालबटुकों ने किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, विशिष्ट अतिथि आयुक्त जबलपुर संभाग श्री धनंजय सिंह भदौरिया, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ मध्य क्षेत्र के बौद्धिक प्रमुख श्री नागेन्द्र जी, नगर निगम अध्यक्ष रिंकुज विज, कलेक्टर राघवेंद्र सिंह सहित कई गणमान्य अधिकारी उपस्थित रहे। मुख्य वक्ता नागेन्द्र ने कहा कि गीता में भक्ति योग, कर्म योग और ज्ञान योग का सार है। इसके उपदेश हमें जीवन जीने की कला सिखाते हैं और मानवता के पथ पर अग्रसर होने की प्रेरणा देते हैं। गीता विज्ञान पर आधारित है और इसके शिक्षाओं से राष्ट्र की उन्नति संभव है। कार्यक्रम में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अभिषेक गहलोत, अपर कलेक्टर नाथूराम गौड़, जिला सत्कार अधिकारी पीयूष दुबे, संयुक्त संचालक लोक शिक्षण अरुण कुमार इंग्ले, पाठ्य पुस्तक समिति अध्यक्ष अल्केश चतुर्वेदी, माध्यमिक शिक्षा मंडल उपाध्यक्ष निवास राव, जिला शिक्षा अधिकारी घनश्याम सोनी सहित जिले के समस्त अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन केके चौबे और विजय तिवारी ने किया।

### जबलपुर में ऐतिहासिक मार्ग को मिला नया नाम

# 'पूज्य महंत स्वामी महाराज पथ' का भव्य लोकार्पण

**जबलपुर।** शहर की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पहचान को नई ऊँचाइयों पर ले जाते हुए जबलपुर के एक महत्वपूर्ण एवं व्यस्ततम मार्ग का नामकरण 'पूज्य महंत स्वामी महाराज पथ' के रूप में किया गया। महर्षि दयानंद चौक (रसल चौक) से महर्षि वाल्मीकि चौक (इनकम टैक्स चौक) तक फैले इस मार्ग का लोकार्पण महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने पूज्य संतों के सानिध्य में किया।

### स्वामी महाराज मानवता के आदर्श : महापौर

लोकार्पण समारोह में बड़ी संख्या में साधु-संत, शहर के गणमान्य नागरिक और अनुयायी उपस्थित रहे। महापौर अन्नू ने कहा कि पूज्य महंत स्वामी महाराज निःस्वार्थ सेवा, करुणा और मानवता के प्रतीक हैं। उनके नाम से इस मार्ग का समर्पण शहर के लिए गर्व का क्षण है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह मार्ग आने वाली पीढ़ियों को स्वामी महाराज के आदर्शों, त्याग और सेवा भावना से प्रेरित करेगा।

### 900 किमी मशाल यात्रा बना कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण

कार्यक्रम के दौरान बताया गया कि स्वामी जी की जन्मस्थली से निकली 900 किलोमीटर लंबी भव्य मशाल यात्रा उनकी शिक्षाओं और आदर्शों के प्रति राष्ट्रव्यापी सम्मान का प्रतीक है। यह यात्रा इस नामकरण समारोह को एक पवित्र और आध्यात्मिक आयाम प्रदान करती है।

### शहर की आध्यात्मिक विरासत को मिला बल

पूर्व में रसल चौक से इनकम टैक्स चौक तक जाने वाला यह मार्ग अब आधिकारिक रूप से 'पूज्य महंत स्वामी महाराज पथ' के नाम से जाना जाएगा। यह दो महान संतों महर्षि दयानंद सरस्वती और महर्षि वाल्मीकि से जुड़े चौराहों को जोड़ते हुए शहर की सांस्कृतिक धरोहर को और मजबूत करेगा। लोकार्पण समारोह में सांसद गुमान सिंह डोमर, महानगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, एम.आई.सी. सदस्य डॉ. सुभाष तिवारी, पार्षद श्रीमती लवलीन आनंद, कमलेश अग्रवाल, धीरज पटेरिया, डॉ. राजेश धीरवानी सहित अनेक जनप्रतिनिधि और संतगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में पूज्य संतों ने नगर निगम एवं महापौर द्वारा लिए गए इस ऐतिहासिक निर्णय की प्रशंसा की और इसे शहर के लिए प्रेरणादायक कदम बताया।

## 'नर्मदा मार्जन सेवा समूह'—हर रविवार बढ़ रही लोगों की भागीदारी

# तिलवारा घाट पर नर्मदा स्वच्छता अभियान जारी

**जबलपुर।** शहर में नर्मदा तट की स्वच्छता को लेकर नागरिकों द्वारा चलाया जा रहा नर्मदा स्वच्छता सेवा अभियान लगातार प्रभावी होता जा रहा है। तिलवारा घाट पर हर रविवार सुबह 8:30 बजे यह अभियान नियमित रूप से आयोजित किया जाता है, जिसमें बड़ी संख्या में युवा, महिलाएँ और वरिष्ठजन शामिल हो रहे हैं। इस सेवा कार्य को गति देने में नीरज नेमा, चंद्रभान नेमा, साक्षी नेमा लकी उपाध्याय, राजेश ठाकुर, रूपेश उपाध्याय, सोनाली साहू, आलोक विश्वकर्मा, मनोज सिंह, रोशन शर्मा, बालाजी, प्राची नेमा, खुशी नेमा, समीर उपाध्याय , प्रकाश अवस्थी सहित कई सक्रिय सदस्यों का विशेष योगदान रहा। सभी सहयोगी घाट पर जमा प्लास्टिक, कचरा, फूल-मालाएं व अन्य गंदगी को एकत्र कर नगर निगम के वाहनों में निस्तारित करवाते हैं।

इस अभियान की विशेष बात यह है कि इस सप्ताह 'वॉक एंड क्लीन' ग्रुप ने भी नर्मदा मार्जन समूह के साथ मिलकर संयुक्त रूप से भागीदारी की। इस ग्रुप के सदस्यों ने तट पर पैदल भ्रमण करते हुए आसपास फैला कचरा उठाया और लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने का संदेश दिया। दोनों समूहों की संयुक्त पहल से घाट क्षेत्र में साफ-सफाई और अधिक प्रभावी और तेजी से हुई।

**नागरिकों से अपील-** आयोजकों ने शहरवासियों से आग्रह किया है कि हर रविवार सुबह 8:30 बजे तिलवारा घाट पहुँचकर नर्मदा स्वच्छता अभियान में शामिल हों और नदी संरक्षण में अपना योगदान दें।

*शासकीय भूमि से बेदखली अब दस्तावेज परखे जायेंगे*

# अब रोहिंग्या और बांग्लादेशी होने की जांच होगी

**जबलपुर।** बरेला तहसील की ग्राम हिनोतिया में शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराए जाने के बाद अब यहां रोहिंग्या मुसलमान, बांग्लादेशी घुसपैठियो के एंगल पर जांच कराई जा रही है। दरअसल एसआईआर प्रक्रिया के दौरान हिन्दू संगठनों की शिकायत पर जिला प्रशासन ने पुलिस के साथ मिलकर गत दिवस सरकारी जमीन से कब्जा हटाया गया। ज्ञात हो कि ग्राम हिनोतिया में खसरा नम्बर 523, 524 एवं 525 की करीब 2.28 हेक्टेयर शासकीय भूमि के अलग-अलग हिस्से में कुछ लोगों द्वारा अस्थाई निर्माण कर अतिक्रमण करने की शिकायतें प्राप्त हुई थीं। हिंदू संगठनों का आरोप है कि रोहिंग्या और बांग्लादेशी सरकारी जमीन पर कब्जा कर यहां रह रहे हैं. इतना ही नहीं सरकारी योजनाओं का लाभ भी ले रहे हैं. इधर, जिन्हें प्रशासन ने सरकारी जमीन से बेदखल किया है, उनका कहना है कि वह घुमंतू बंजारा हैं, न कि रोहिंग्या. करीब 10 दिन पहले हिंदू संगठनों को पता चला कि जबलपुर से करीब 25 किलोमीटर दूर बरेला तहसील के ग्राम हिनोतिया में कुछ लोग बाहर से आकर बस गए हैं. इन लोगों ने तंबू लगाकर रखे हैं। मौके पर जाकर जब उनसे बात की तो भाषा अलग थी. डेरे में रखे आधार कार्ड देखे तो एक व्यक्ति के कार्ड तीन जगह से बने हुए थे. संगठन ने बरेला थाने में शिकायत पत्र सौंपते हुए मांग की कि सरकारी जमीन पर कब्जा करने वाले रोहिंग्या, बांग्लादेशी हैं, उन्हें फौरन हटाया जाए. इसके बाद प्रशासन की जांच पड़ताल में यह बात सामने आई कि यहां कुछ लोगों ने शासकीय भूमि पर कब्जा कर रखा था यहां सोमवार को शासकीय भूमि मुक्त कराई गई। विहिप के प्रचार प्रमुख सुमित सिंह ठाकुर का कहना है कि इनके दस्तावेजों की भी जांच होनी चाहिए. कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने बताया कि जिन लोगों ने जमीन पर कब्जा किया था वह जमीन शासकीय थी. इसलिए उन्हें पहले नोटिस दिया गया और उसके बाद भी जब इन लोगों ने स्वयं ही जमीन खाली नहीं की तो उन्हें हटा दिया गया. कलेक्टर ने कहा कि कुछ लोगों का यह भी आरोप था कि यह लोग रोहिंग्या, बांग्लादेशी है, इसकी भी जांच कराई जा रही है. फिलहाल शासकीय जमीन को खाली करवा दिया गया है।

## सेंट नॉरबर्ट स्कूल में एड्स जागरूकता लाने प्रस्तुत किया नुक्कड़ नाटक

**जबलपुर।** भारत स्काउट गाइड एवं यूनिसेफ द्वारा संचालित प्रोजेक्ट क्लेप के अंतर्गत सेंट नॉरबर्ट गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल, नेपियर टाउन में एचआईवी/एड्स जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्राचार्या सिस्टर किरण के मार्गदर्शन और गाइड कैप्टन श्रीमती रशिका द्विवेदी के निर्देशन में प्रातः सभा के दौरान गाइड छात्राओं ने "जागरूकता ही समाधान" विषय पर प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। इसमें गाइड लीडर कु. नमामि पाठक सहित 20 छात्राएं शामिल रहीं। कार्यक्रम में लगभग 1500 विद्यार्थियों और 70 शिक्षकों की उपस्थिति रही। छात्रों और शिक्षकों को कु. आकांक्षा सिंह एवं कु. शहनूर फातिमा द्वारा रेड रिबन लगाया गया। प्राचार्या ने बताया कि विश्व एड्स दिवस पर लाल रिबन एचआईवी/एड्स के प्रति समर्थन और जागरूकता का प्रतीक है। कार्यक्रम की सफलता में सिस्टर नेसम, सिस्टर फूलकुमारी, श्रीमती रंजना, श्रीमती रेनू यादव, श्री संजय पॉल, श्रीमती अफसाना बेगम, श्रीमती अर्चना पटेरिया और श्रीमती प्रतिमा सक्सेना का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ किया गया।

## मां अम्बा शतचंडी यज्ञ की तैयारी बैठक 3 दिसम्बर को

**मझौली।** नगर में आगामी 19 जनवरी 2026 से प्रारंभ होने वाले मां अम्बा शतचंडी महायज्ञ को लेकर तैयारियाँ शुरू हो गई हैं। इसी क्रम में यज्ञ की महत्वपूर्ण बैठक बुधवार, 3 दिसम्बर को शाम 3 बजे गांधी भवन, बाजार प्लॉट, मझौली में आयोजित की जाएगी। उल्लेखनीय है कि मझौली में शतचंडी यज्ञ पहली बार आयोजित होने जा रहा है, जिससे नगर में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। यह 9 दिवसीय महायज्ञ पूज्य श्री बनवारी दास जी महाराज (भरभरा वाले गुरुजी) के सानिध्य में संपन्न होगा। कार्यक्रम में भागवत कथा का वाचन पूज्य स्वामी श्री दत्त जी महाराज (कोनी वाले) द्वारा किया जाएगा। साथ ही प्रतिदिन रामलीला का मंचन अटल मंच से होगा। क्षेत्र के अनेक संतों की विशेष उपस्थिति भी अपेक्षित है। यज्ञ समिति एवं गोविंद सरकार ने नगरवासियों से अपील की है कि वे बड़ी संख्या में बैठक में उपस्थित होकर आयोजन को सफल बनाने में सहयोग करें।

## *विश्व एड्स दिवस : एफपीएआई और हितकारिणी नर्सिंग कॉलेज ने मिलकर दिया जागरूकता का संदेश*

**जबलपुर।** विश्व एड्स दिवस के अवसर पर फैमिली प्लानिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया, जबलपुर शाखा द्वारा हितकारिणी नर्सिंग कॉलेज के सहयोग से एक जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि संस्था की वाइस चेयरपर्सन डॉ. मुक्ता भाटेले रहीं। वहीं एचआईवी/एड्स से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी डॉ. नमिता पाराशर द्वारा दी गई। फैमिली प्लैनिंग एसोसिएशन के शाखा प्रबंधक रवि शरण गौतम ने संस्था की गतिविधियों एवं उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में स्लोगन (नारा) प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसमें नर्सिंग कॉलेज की छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विजेताओं को प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार प्रदान किए गए। रवि शरण गौतम ने बताया कि कार्यक्रम को सफल बनाने में हितकारिणी नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्या डॉ. सपना दास, वाइस प्रिंसिपल प्रिंसी शाह, प्रोफेसर श्रीमती आराधना, तथा अन्य सहयोगी स्टाफ का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम में 200 से अधिक विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य एचआईवी/एड्स के प्रति जागरूकता बढ़ाना और सुरक्षित जीवन के लिए आवश्यक जानकारी प्रदान करना था।

**श्रीमती ममता लोधी-** गौरीघाट ललपुर रोड निवासी श्री झाम सिंह लोधी की धर्मपत्नी श्रीमती ममता लोधी (40) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

**श्रीमती शालू देवी केशरवानी-** कृपाल चौक गुप्तेश्वर निवासी श्री शिव कुमार केशरवानी की धर्मपत्नी श्रीमती शालू देवी केशरवानी (36) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

**श्री रवींद्र अवस्थी-** साउथ सिविल लाइन निवासी श्री रवींद्र अवस्थी (79) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

**श्री कृष्ण कुमार नेमा-** मदनमहल कालीमठ आमनपुर निवासी श्री कृष्ण कुमार नेमा (48) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

**श्री नत्थू प्रसाद तिवारी-** शक्ति नगर गुप्तेश्वर निवासी श्री नत्थू प्रसाद तिवारी (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

**श्री बाबू भाई चौधरी-** भानतलैया रोड राधाकृष्णन वार्ड निवासी श्री बाबू भाई चौधरी (62) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

**श्री मनीष कुमार रैकवार-** टेलीग्राफ गेट नं. 4 राइट टाउन साईं मंदिर के पास निवासी श्री नन्हें लाल रैकवार के पुत्र श्री मनीष कुमार रैकवार (48) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

**श्रीमती पुष्पा विश्वकर्मा-** बढ़ई मोहल्ला फूटाताल निवासी श्री रज्जू लाल विश्वकर्मा की धर्मपत्नी श्रीमती पुष्पा विश्वकर्मा (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

**श्री अनिल रजक-** इंद्रा नगर गली नं. 2 रामपुर निवासी श्री अनिल रजक (54) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

**श्री रंजीत कुमार नन्हेंट-** सेठी नगर गुप्तेश्वर निवासी श्री मधु नन्हेंट के पुत्र श्री रंजीत कुमार नन्हेंट (41) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

**श्री छेदी लाल पटेल-** तरूण विहार फेस 3 बेदीनगर निवासी श्री छेदी लाल पटेल (83) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

**श्री दिनेश कुमार सेन-** साईं कॉलोनी संजीवनी नगर गढ़ा निवासी श्री दिनेश कुमार सेन (54) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

**श्रीमती विमला देवी सिंह-** बीके एंपायर बिलहरी निवासी श्री हरि नारायण सिंह की धर्मपत्नी श्रीमती विमला देवी सिंह (76) का

निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

**श्री रोशन कुरील-** ललपुर शिवराज चौहान नगर गौरीघाट निवासी श्री रोशन कुरील (50) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री कामता प्रसाद शर्मा- प्रगति नगर कॉलोनी करमेता निवासी श्री कामता प्रसाद शर्मा (68) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

**श्रीमती पुष्पा शुक्ला-** मदनमहल प्रेमनगर पोस्ट आफिस के पीछे निवासी श्री गोविंद प्रसाद शुक्ला की धर्मपत्नी श्रीमती पुष्पा शुक्ला (67) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

**श्री जगन्नाथ प्रसाद भट्ट-** इंद्रा नगर सुहागी निवासी श्री जगन्नाथ प्रसाद भट्ट (77) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

**श्री रज्जू पटेल-** पुरानी बस्ती रेतनाका गौरीघाट रोड निवासी श्री रज्जू पटेल (54) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

**श्रीमती रीता दुबे-** मझौली रोड खिरिया बायपास के पास निवासी श्री नरेंद्र चरण दुबे की धर्मपत्नी श्रीमती रीता दुबे (72) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

### बस स्टेंड में प्रारम्भ होगा क्रमिक अनशन

# सिहोरा जिला के लिए आज से निर्णायक संघर्ष

**सिहोरा।** वर्षों से जिला बनाने की मांग को लगातार नज़र अंदाज़ किए जाने से सिहोरा में जनता का आक्रोश अब उबाल पर है। इसी रोष के चलते लक्ष्य जिला सिहोरा आंदोलन समिति ने आज 3 दिसंबर से क्रमिक भूख हड़ताल शुरू करने का फैसला किया है जिसे आंदोलन की निर्णायक जंग का पहला चरण माना जा रहा है। आंदोलनकारियों का कहना है कि सरकार और प्रशासन बार-बार आश्वासन तो देते हैं लेकिन सिहोरा को जिला बनाए जाने पर कोई ठोस निर्णय नहीं लेते। जनता में इस रवैये को लेकर गहरी नाराज़गी है। व्यापारियों से लेकर युवाओं और ग्रामीण क्षेत्रों तक हर वर्ग में यह भावना बढ़ी है कि अब संघर्ष को अंतिम मोड़ देना ही होगा।

### नेताओं के आश्वासनों से बेहद नाराज़ हैं जनता

नेताओं के कोरे आश्वासनों से बेहद नाराज नागरिकों ने कहा कि अब शांत रहकर इंतजार करने का वक्त खत्म हो चुका है। अब नेताओं के कोरे आश्वासनों से नाराज जनता द्वारा क्रमिक भूख हड़ताल सरकार को चेतावनी देने का शांतिपूर्ण लेकिन कठोर तरीका अपनाया जा रहा है जिससे स्पष्ट संदेश है कि सिहोरा अब अपना हक लेकर रहेगा। आंदोलन समिति ने बताया कि 6 दिसंबर से आंदोलन का दूसरा चरण शुरू होगा जिसमें अन्न त्याग अन्न सत्याग्रह प्रारंभ होगा। इसमें प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता,व्यापारी वर्ग के लोग और विभिन्न सामाजिक वर्ग के प्रतिनिधि सत्याग्रह में शामिल होंगे। यह चरण आंदोलन को और व्यापक व सशक्त बनाएगा।

### 9 दिसंबर से आमरण अनशन के साथ सम्पूर्ण सिहोरा बंद का आयोजन

यदि इसके बाद भी सरकार कोई निर्णय नहीं लेती है तो 9 दिसंबर से आमरण अनशन सत्याग्रह शुरू किया जाएगा।इसके साथ ही सिहोरा खितौला के व्यापारियों ने जिला की मांग पर संपूर्ण बंद का ऐलान किया है। कई वरिष्ठ नागरिकों,महिलाओं और युवाओं ने आमरण सत्याग्रह के लिए अपनी सहमति दर्ज कर दी है। आंदोलन समिति के अनुसार यह चरण शासन-प्रशासन को झकझोरने वाला होगा। सभी सिहोरावासियों से धरना स्थल पुराना बस स्टेंड पहुंचने की अपील आंदोलन समिति ने ने की है।

## सोसायटी में लगे प्रतिबंध को हटाने की मांग

**सिहोरा।** अखिल भारतीय ओबीसी महासभा, एससी एसटी संयुक्त मोर्चा के द्वारा अनुविभागीय अधिकारी पुष्पेन्द्र अहके को ज्ञापन सौंपा गया जिसमें कहा गया है कि फनवानी, मझगवां, सोसायटी के धान खरीदी केंद्र बंदर कोला ओपन कैम्प पर बनाया जाएं,नुंजी व सैलवारा सोसायटी में खरीदी केंद्र पर लगा प्रतिबंध हटाते हुए इन्हें भी चालू किया जाएं सिकमी नामा पट्टे वाली खेती के पंजीयन की भी स्लाट बुक करने के साथ,कृषि बिजली रेग्युलर 10 घंटे दिन में दी जाएं, खाद पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कराने के साथ अनेक मांग शामिल थी। इस अवसर पर संगठन के प्रदेश अध्यक्ष एड इंद्रकुमार पटेल, जिलाध्यक्ष जितेन्द्र कुमार कुर्मी, विनोद पटेल, प्रमोद पटैल, संतकुमार पटैल, राजेश यादव, संदीप पटैल, मुकेश पटेल, अजीत पटेल, अवसर पटेल, लक्ष्मीनारायण पटेल, अनूप पटेल,अनिल पटेल, हरि पटेल, अकलेश पटेल, आशीष पटेल, आंनद पटेल आदि उपस्थित थे।

## *पमरे में क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 71वीं बैठक, 'राजभाषा सरिता' का विमोचन*

**जबलपुर।** पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर की क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 71वीं बैठक आज महाप्रबंधक श्रीमती शोभना बंदोपाध्याय की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार एवं विभागीय प्रगति की समीक्षा की गई। महाप्रबंधक ने कहा कि सरकारी कार्य में हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग के लिए प्रेरणा, तकनीक से जुड़ाव और सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं। बैठक के दौरान त्रैमासिक पत्रिका 'राजभाषा सरिता' के 55वें अंक का विमोचन किया गया। इस अवसर पर श्रीमती बंदोपाध्याय ने नियमित प्रकाशन के लिए राजभाषा विभाग की सराहना की। मुख्य राजभाषा अधिकारी एम.एस. हाशमी ने हिंदी दिवस कार्यक्रमों तथा प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। बैठक में अपर महाप्रबंधक पी.के. खत्री सहित विभिन्न मंडलों और कारखानों के अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी संतलाल मर्सकोले तथा धन्यवाद ज्ञापन उप मुख्य राजभाषा अधिकारी विवेक कुमार गुप्ता ने किया।

### मंगलवार और शनिवार को बड़ी संख्या में लगता हैं श्रद्धालुओं का तांता

# वर्षों पुराने केसरीनंदन हनुमान मंदिर में लिखित अर्जी देते हैं भक्त, पूरी होती है सबकी मनोकामना

## अर्जी लगाने वाले श्रद्धालुओं की होती है मनोकामना पूरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ छिंदवाड़ा

शहर के ओबर ब्रिज के गास चार फाटक क्षेत्र में एक ऐसा मंदिर है, जहां लोग अपनी परेशानी कागज की पर्ची पर लिखते हैं और बजरंगबली के चरणों में चढ़ाते हैं. भक्तों की परेशानी की बकायदा सुनवाई होती है और अर्जी का निराकरण किया जाता है. इसके अलावा यहां हजारों की संख्या में चढ़ाए जाने वाले नारियल को पूरे मंदिर में तोरण बनाकर लगायाजाता है। छिंदवाड़ा के चार फाटक क्षेत्र में बना यह बरसों पुराना अर्जी वाले हनुमान जी का मंदिर जिसका नाम श्री केसरीनंदन हनुमान मंदिर है. इस मंदिर में हर मंगलवार और शनिवार की भक्तों की भारी भीड़ उमड़ती है, यहीं, हनुमान जन्मोत्सव पर यहां धार्मिक अनुष्ठानों के साथ भंडारे का भी आयोजन किया जाता है। छिंदवाड़ा जिले में स्थित इस प्राचीन हनुमान मंदिर में दूर-दूर से लोग अपनी अर्जी लगाने आते हैं. अर्जी चाकायदा कागज में लिखी होती है. कहा जाता है कि इस अर्जी को हनुमान जी स्वयं सुनते हैं और बाद में एक-एक करके इनका निराकरण भी होता है. भक्त बजरंगबली के चरणों में इसके बाद प्रसाद भी अर्पण करते है। यहां आए एक श्रद्धालु ने बताया कि अपनी अर्जी लेकर आने वाले भक गर्दा पर एक-एक नारियल भी साथ लाते हैं हजारों की संख्या में जाने वाले नारियल को तोरण के तौर पर पूरे मंदिर में लगाया गया है. इन नारियलों से प्रसाद के अलावा मंदिर के हर द्वार को सजाया जाता है. साथ ही हर तरफ नारियलों को लटका दिया जाता है। मंदिर में इतनी संख्या में नारियल का आए जाने की वजह है कि इस मंदिर को नारियल वाले हनुमान जी का मंदिर भी कहा है, लोगों का कहना है कि अर्जी के साथ साथ नारियल चढ़ाने की परंपरा इस प्राचीन मंदिर में लंबे समय से चली आ रही है।

### अपने भक्तों को कभी निराश नहीं करते बजरंगबली

श्री केसरीनंदन हनुमान मंदिर समिति के सदस्य सुनील कुमार ने बताया की यहां अपनी परेशानी और दुख-दर्द लेकर आने वाले श्रद्धालु केसरीनंदन हनुमान जी के चरणों के अपनी परेशानी कागज की पर्ची पर लिखकर चढ़ाते है जिसके बाद उनकी समस्या का निवारण जरूर होता है. चजरंगबली अपने भक्तों को कभी निराश नहीं करते है और यहीं चमत्कार है कि दुखी होकर आने वाला व्यक्ति भी यहां से खुश होकर जाता है बरसों पुराने इस प्रसिद्ध मंदिर की यह मान्यता है कि यहां भछ जो भी अंजी लेकर आते हैं और उसे हनुमान जी के श्री चरणों में चढ़ाते हैं. भक्तों की सुनवाई होती है और अजर्जी का निराकरण हो जाता है. यही वजह है कि यहां पर जो भी अपनी समस्याएं लेकर आता है उसे कागज में लिख कर हनुमान जी के चरणों में अर्पित कर देता है. यह एकमात्र ऐसा मंदिर है जहां पर हनुमान जी स्वयं भक्तों की अर्जी पर सुनवाई करते हैं अर्जी वाले हनुमान जी के मंदिर में मंगलवार और शनिवार को बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का ताता देखा जा सकता हैं।

### माघ मेलाः इटारसी–प्रयागराज छिवकी एक्सप्रेस अब चुनार तक जाएगी

**सतना।** पश्चिम मध्य रेलवे (पमरे) ने माघ मेला 2026 के श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए ट्रेन संख्या 11273/11274 इटारसी– प्रयागराज छिवकी– इटारसी एक्सप्रेस को अस्थायी रूप से चुनार स्टेशन तक बढ़ाने का निर्णय लिया है। यह विस्तार 47 दिनों के लिए लागू रहेगा। 11273 इटारसी- प्रयागराज छिवकी एक्सप्रेस (चुनार तक): 01 जनवरी 2026 से 16 फरवरी 2026 तक चलेगी। 11274 चुनार- प्रयागराज छिवकी- इटारसी एक्सप्रेसः 02 जनवरी 2026 से 17 फरवरी 2026 तक चलेगी। 11273: प्रयागराज छिवकी (09:55/10:15 बजे) होते हुए 13:55 बजे चुनार पहुंचेगी। 11274: चुनार से 16:30 बजे प्रस्थान कर प्रयागराज छिवकी (19:45/20:15 बजे) होते हुए इटारसी जाएगी। विस्तारित अवधि में ट्रेन के अन्य स्टॉपेज और समय में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

### घोड़े से नर्मदा परिक्रमा करने अमरकंटक पहुंचे महात्मा

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक।

**अमरकंटक।** प्रदेश के प्रमुख पर्यटन एवं धार्मिक तीर्थ स्थल पावन पवित्र नगरी नर्मदा उद्गम स्थल अमरकंटक में आए दिन मातेश्वरी मां नर्मदा जी का परिक्रमा कर रहे भक्त श्रद्धालु, संत महात्मा भक्त श्रद्धालु गण पहुंचते रहते हैं अलग-अलग तरीके से लोग अपने श्रद्धा भक्ति के अनुसार मां नर्मदा जी की परिक्रमा करते हैं। पुराणों में नर्मदा परिक्रमा का विशेष महत्व बताया गया है बताया जाता है कि बड़े भाग्य से मां नर्मदा की परिक्रमा का सौभाग्य मिलता है। ऐसे ही एक विलक्षण संत महात्मा अमरकंटक (माई की बगिया) में नर्मदा परिक्रमा करते हुए आए हुए हैं! खास बात यह देखने को मिली कि मां नर्मदा जी के अनन्य भक्त घोड़े से मां नर्मदा जी की परिक्रमा कर रहे है। जैसे लोगों की नजर पड़ी देखने वालों की भीड़ लग गई। महात्मा से लोग जानने पहुंचे कि आप घोड़े से नर्मदा परिक्रमा कर रहे हैं काफी अलग बात है। महात्मा ने जवाब दिया कि अपने श्रद्धा भक्ति अनुसार परिक्रमा करने का सौभाग्य मिलता है हमारे साथ-साथ पशु की भी परिक्रमा हो रही है यह विशेष बात है। आपको बता दें महात्मा देवास जिले के हैं नाम देवीदास है। बताया कि उन्होंने देवास से नर्मदा परिक्रमा प्रारंभ की है तथा दो-तीन महीने में उनकी परिक्रमा पूर्ण हो जाएगी।

# जंगल में मिला नक्सली डंप, एसपी बोले- सरेंडर करें या कार्रवाई भुगतें

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

बालाघाट जिले में सक्रिय नक्सलियों को बालाघाट एसपी आदित्य मिश्रा ने चेतावनी दी है। मंगलवार को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में एसपी ने कहा कि यदि वे आत्मसमर्पण नहीं करते हैं, तो उन्हें सुरक्षाबलों की कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। बता दें कि, सोमवार और मंगलवार को पुलिस ने जिले के जंगलों से तीन नक्सली डंप बरामद किए। मंगलवार को किरनापुर थाना क्षेत्र के बोदालझोला जंगल से एक डंप मिला। इसमें एल्युमिनियम कंटेनर में इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, वायरलेस सेट और दैनिक उपयोग की वस्तुएं शामिल है। एसपी आदित्य मिश्रा ने बताया कि लगातार सर्चिंग और कार्रवाई के चलते 18 से अधिक नक्सलियों ने जिले और सीमावर्ती राज्यों में आत्मसमर्पण किया है। उन्होंने कहा कि पुलिस मार्च 2026 तक सरकार के नक्सली खात्मे के लक्ष्य को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। हाल ही में आत्मसमर्पण करने वालों में छत्तीसगढ़ के खैरागढ़ निवासी मुन्ना शामिल हैं, जो नक्सली संगठन में तकनीकी गतिविधियों में शामिल था। मुन्ना ने अपनी पत्नी रोनी के साथ आत्मसमर्पण किया। इसके अलावा, दो दिन पहले महाराष्ट्र के गोंदिया में 11 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया। इसमें एमएमसी जोन के प्रवक्ता और स्पेशल जोनल कमेटी के सदस्य, 25 लाख रुपए के इनामी अनंत उर्फ विकास नगपुरे और बालाघाट जिले की राशिमेटा निवासी नक्सली संगीता शामिल थीं। संगीता पर मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ तीनों राज्यों में 14 लाख रुपए का इनाम घोषित था और वह 2007 से नक्सली संगठन में सक्रिय थी। एसपी आदित्य मिश्रा ने चेतावनी देते हुए कहा- नक्सलियों के पास दो विकल्प हैं। या तो वे आत्मसमर्पण करें या सुरक्षाबलों की कार्रवाई के परिणाम भुगतें। जिले में सर्चिंग लगातार जारी है और किसी को भी कानून की कार्रवाई से बचने का मौका नहीं मिलेगा।

### तेंदुआ शावक का पाया गया शव

**उमरिया।** क्षेत्र संचालक बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व ने बताया कि एक वन्यजीव तेंदुआ के शावक (लिंग अज्ञात, उम्र लगभग 6 माह) के शव के पाए जाने की घटना, जिसका स्थल वनभूमि कक्ष क्रमांक पीएफ 356 बीट मझखेता (बफर), वन परिक्षेत्र मानपुर (बफर) के अन्तर्गत प्रकाश में आयी है। जिस पर एन.टी.सी.ए. नई दिल्ली एवं कार्यालय मुख्य वन्यजीव अधीक्षक म.प्र. भोपाल से जारी दिशा निर्देश अनुसार त्वरित कार्यवाही करते हुए घटनास्थल को सुरक्षित किया गया तथा वरिष्ठ अधिकारियों को गस्ति दल द्वारा बताया गया। निर्धारित प्रक्रिया अनुसार डॉग स्क्वायड की सहायता से घटना स्थल एवं उसके आसपास के वन क्षेत्र के छानबीन की कार्यवाही की गई। कोई भी आपत्तिजनक चीज प्राप्त नहीं हुई। पोस्टमार्टम की कार्यवाही वन्यजीव चिकित्सकों के द्वारा किया गया है तथा आवश्यक नमूने संग्रहित किए गए है। उन्होंने बताया कि वन्यजीव तेंदुआ के शावक का सिर, पूंछ, पैर के हिस्से एवं आंत का कुछ भाग प्राप्त हुआ, शेष भाग वन्य प्राणी द्वारा खाया जाना प्रतीत होने से नही पाये गये। शव के पास बाघ तथा तेंदुआ के पदचिन्ह भी पाए गए। निर्धारित प्रक्रिया अनुसार शव दहन की कार्यवाही क्षेत्र संचालक, नायब तहसीलदार , एन.टी.सी.ए के प्रतिनिधि/वन्यजीव विशेषज्ञ व अन्य की उपस्थिति में की गई। समस्त कार्यवाही के फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी की गई है।

### पुलिस पर लगाए लापरवाही और रिश्वत मांगने के आरोप

**छतरपुर।** मंगलवार को एक किसान ने अपनी गुम हुई भैंसों की तलाश के लिए पुलिस अधीक्षक कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई है, जिसमें स्थानीय पुलिस की कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठाए गए हैं। पीड़ित का आरोप है कि उसने अपनी गुम हुई भैंसों को एक अन्य व्यक्ति के पास बँधा हुआ देखा, लेकिन स्थानीय थाने की पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज करने से इनकार कर दिया और आरोपी का पक्ष लिया। इतना ही नहीं, पुलिस पर रिश्वत मांगने का भी आरोप है। ग्राम गोपालपुरा निवासी वासू भील ने बताया कि उसने अपनी 6 भैंसों को चराई पर छोड़ा था, जो शाम तक वापस नहीं लौटीं। वासू ने आरोप लगाया कि खोजबीन के बाद वह शाहगढ़ थाना गया था लेकिन पुलिस ने एफ़आईआर दर्ज करने के बजाय केवल आवेदन लिया और तलाश का आश्वासन दिया। छह माह बीतने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसी बीच वासू ने अपनी तलाश जारी रखी और ग्राम बरतला में पप्पू सरार के घर पर उसी हुलिए की चार भैंसें बंधी हुई देखीं।

### मातृशक्ति की अगुवाई में पुतला दहन कर दर्ज कराया कड़ा विरोध

## अभद्र बयान के विरोध में विप्र समाज का उफान

### प्रशासन ने स्थल पर ही लिया ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

अजाक्स कर्मचारी संगठन के प्रदेश अध्यक्ष संतोष वर्मा द्वारा ब्राह्मण समाज के प्रति कथित अभद्र टिप्पणी के विरोध में मंगलवार को अनूपपुर में व्यापक जनाक्रोश देखने को मिला। जिला विप्र समाज, अखिल भारतीय एकीकृत ब्राह्मण परिषद, अखंड ब्राह्मण समाज एवं आर्यावर्त ब्राह्मण महासभा के संयुक्त तत्वावधान में इंदिरा चौक हॉस्पिटल के समीप विशाल विरोध सभा एवं पुतला दहन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिलेभर से सैकड़ों विप्रजन, मातृशक्ति एवं युवा बड़ी संख्या में शामिल हुए। विरोध कार्यक्रम की प्रमुख विशेषता रही समाज की मातृशक्ति की सशक्त उपस्थिति। महिलाओं ने संतोष वर्मा का पुतला दहन कर अपना आक्रोश प्रकट किया तथा प्रतीकात्मक रूप से चूड़ियाँ भेंट कर यह संदेश दिया कि किसी भी समाज की महिलाओं की गरिमा पर प्रहार किसी भी परिस्थिति में स्वीकार्य नहीं है। "जय जय परशुराम" और "ब्राह्मण समाज एक हो" के नारे से पूरा क्षेत्र गूँज उठा। इंदिरा चौक पर बनाए गए विशाल पंडाल में जैतहरी, कोतमा, बिजुरी, बर्थरई, बरगवां, देवहरा, कोतमा, मेड़ियारास, वेंकटनगर सहित दूरस्थ अंचलों से श्रद्धालु और समाजजन पहुंचे। विरोध पूरी तरह अनुशासित रहा। विरोध की गंभीरता को देखते हुए प्रशासनिक अधिकारी स्वयं सभा स्थल पर पहुंचे और ज्ञापन प्राप्त किया। ज्ञापन में संतोष वर्मा पर तत्काल एफआईआर दर्ज करने एवं कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग प्रमुख रही। सभा में अनेक सामाजिक कार्यकर्ता, ब्राह्मण संगठनों के प्रतिनिधि एवं वरिष्ठ पदाधिकारी मंच पर उपस्थित रहे।

**मातृशक्ति की व्यापक सहभागिता**

महिलाओं की प्रभावी उपस्थिति इस विरोध की विशेष पहचान रही। मुख्य रूप से श्रीमति सावित्री त्रिपाठी, श्रीमती संध्या पांडे, श्रीमती सुनैना मिश्रा, बसंती शर्मा, कविता मिश्रा, श्रीमती गौतम सहित बड़ी संख्या में महिलाओं ने नेतृत्व किया। वक्ताओं ने कहा कि यह मामला किसी एक संगठन का नहीं, बल्कि समाज की सांस्कृतिक मर्यादा, सम्मान और अस्तित्व से जुड़ा गंभीर प्रश्न है।वक्ताओं ने चेताया कि यदि संतोष वर्मा पर शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई, तो जिलेभर में चरणबद्ध और व्यापक आंदोलन खड़ा किया जाएगा। जनभावनाओं की गंभीरता और भीड़ की व्यापकता को देखते हुए नायब तहसीलदार मंगलदास चक्रवर्ती अपनी टीम के साथ पंडाल में पहुंचे और आयोजकों से ज्ञापन प्राप्त किया। ज्ञापन में संतोष वर्मा पर तत्काल एफआईआर, कठोर दंडात्मक कार्रवाई, समाजिक सौहार्द बिगाड़ने वाले बयानों पर कानूनी नियंत्रण प्रमुख रूप से रहा। कार्यक्रम का संचालन विभिन्न मंच संचालकों ने किया। अंत में संयोजक पंडित रामनारायण द्विवेदी ने सभी ब्राह्मण संगठनों, मातृशक्ति, युवाओं, पुलिस प्रशासन और मीडिया प्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

### चलती बाइक से गिरी महिला, गंभीर हालत

**अमानगंज।** किषनगढ़ मुख्य सड़क मार्ग हिनौती ग्राम के पास मंगलवार षाम 7 बजे एक चलती मोटर बाइक से 45 वर्शीय महिला नीचे गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसे के बाद राहगीरों ने तुरंत पुलिस व 112 को सूचना दी। घायल महिला की पहचान चंद्रमुखी पति कुंज बिहारी पटेल, उम्र 45 वर्श, निवासी मोहार के रूप में हुई है। गिरने से महिला को गंभीर चोटें आईं, जिसके बाद 112 वाहन के स्टाफ प्रधान आरक्षक कल्पना बागरी पायलट जय कुषवाह ने मौके पर पहुंचकर उन्हें अमानगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुँचाया।

### 'सॉरी पापा... उस लड़की ने मेरी फीलिंग्स के साथ खिलवाड़ किया'

# फाइनेंस मैनेजर ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

**सतना।** जिले के ट्रांसपोर्ट नगर में एक फाइनेंस कंपनी के 26 वर्षीय मैनेजर शिवमोहन सिंह ने सोमवार को अपने ऑफिस चैंबर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना स्थल से एक भावुक सुसाइड नोट मिला है, जिसमें मृतक ने अपनी मौत का जिम्मेदार एक लड़की को ठहराया है और अपने पिता से मार्मिक अपील की है। रीवा जिले के सगरा देवतालाब निवासी शिवमोहन सिंह ने सुसाइड नोट में लिखा है कि मेरी मौत की जिम्मेदार वह लड़की है, उसने मेरी फीलिंग्स के साथ बहुत खिलवाड़ किया है। उन्होंने अपने अकेलेपन और शराब पीने की बात का भी जिक्र किया। शिवमोहन ने अपने पिता से अपील की है कि वह उनकी पत्नी स्वाती की दूसरी शादी करा दें और गिरवी रखी हुई उनके बेटे 'गोलू' की स्कूटी को छुड़वा लें। उन्होंने अपनी अंतिम इच्छा के रूप में अंग दान करने की बात भी लिखी है। कर्मचारियों की सूचना पर पहुंचे शिवमोहन के मामा ने जब दरवाजा तोड़ा तो उन्हें फंदे पर लटका पाया। कोलगवां पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मर्ग कायम कर लिया है और सुसाइड नोट में जिक्र की गई 'लड़की' समेत अन्य पहलुओं की गहनता से जांच की जा रही है।

# नवविवाहिता की मौत मामले में ससुर गिरफ्तार, पति की तलाश जारी

रीवा।

गुढ़ थाना क्षेत्र के गुढ़वा में नवविवाहिता की गला घोटकर हत्या करने के मामले में गुढ़ पुलिस ने ससुर और मृतका के पति के खिलाफ दहेज प्रताडऩा सहित हत्या का प्रकरण पंजीबद्ध किया था, जिसके बाद पुलिस ने आरोपी ससुर को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि पति की तलाश जारी है। घटना के बाद से ही आरोपी पति फरार है। 29 नवंबर की सुबह पुलिस को घटना की सूचना मिली थी। मृतका नेहा के जेठ पुष्पराज पटेल ने बताया था कि उसका भाई रंजीत और भयाहू नेहा पटेल अपने कमरे से बाहर नहीं निकले तो उसके पिताजी ने आवाज दिया एवं देखा कि कमरे का दरवाजा बाहर से बंद है। कमरे का दरवाजा खोलने पर देखे कि नेहा पटेल कमरे के अंदर जमीन पर पड़ी थी। जब वो मौके पर पहुंचे तो देखा की नेहा पटेल कमरे में पलंग के नीचे चित हालत मे पड़ी थी एवं गले में सफेद गमछा कसकर बंधा हुआ था और उसकी मृत्यु हो गई थी । मायके पक्ष के लोगों ने घटना की सूचना के बाद पुलिस को बताया कि दहेज की मांग को लेकर नेहा को उसका पति और ससुर प्रताड़ित करते थे। करीब 30 घंटे बाद मृतका का अंतिम संस्कार हो सका था। मायके पक्ष के लोगों ने एसपी से भी मामले में आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर न्याय की गुहार लगाई थी। पुलिस ने पीएम के बाद हत्या का मामला पंजीबद्ध किया था। जिसके बाद मृतका के ससुर श्रीकृष्ण पटेल को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।दहेज में बाइक नहीं मिलने से कर रहे थे प्रताड़ितगुढ़ पुलिस ने बताया कि मायके पक्ष के लोगों ने बताया कि मृतका नेहा पटेल के ससुर कृष्ण पटेल एवं पति रंजीत पटेल दहेज मे मोटर साईकल नहीं मिलने के कारण नेहा पटेल के साथ मारपीट कर उसे शारीरिक व मानसिक रूप से प्रताड़ित करते थे। उक्त दहेज नहीं मिलने के कारण 28- 29 नवंबर की दरमियानी रात आरोपी पति रंजीत पटेल ने पत्नी नेहा पटेल को कमरे में सफेद गमछा से गला घोंटकर हत्या कर दिया, जिससे उसकी मृत्यु हो गई। पुलिस ने जांच के बाद आरोपी रंजीत पटेल व उसके पिता श्रीकृष्ण पटेल के विरूद्ध अपराध पंजीबद्ध किया था जिसके बाद आरोपी ससुर श्रीकृष्ण पटेल को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय मे पेश किया गया है।

# युवती ने नस काटकर किया आत्महत्या का प्रयास, प्रेमी पर कानूनी कार्रवाई की मांग

**सतना।** कोलगवां थाना क्षेत्र की नई बस्ती में सोमवार देर रात एक युवती ने अपने प्रेमी से हुए विवाद के बाद हाथ की नस काटकर आत्महत्या का प्रयास किया। घटना के तुरंत बाद,गंभीर अवस्था में युवती को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहाँ प्राथमिक उपचार के बाद उसकी हालत में सुधार बताया जा रहा है। परिजनों के अनुसार युवती फोन पर अपने प्रेमी अमित कुशवाहा निवासी ताला से बात कर रही थी। शादी की बात को लेकर दोनों के बीच विवाद बढ़ गया, जिसके बाद युवती ने आवेश में आकर ब्लेड से अपनी नस काट ली। युवती ने बताया कि वह पिछले तीन वर्षों से अमित के साथ संबंध में है और उससे विवाह करना चाहती है, लेकिन अमित तैयार नहीं है। परिजनों ने बताया कि छह माह पहले भी युवती ने इसी कारण से आत्महत्या का प्रयास किया था,तब भी शिकायत दर्ज नहीं की गई थी। इस बार,अस्पताल में भर्ती युवती ने अपने प्रेमी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने कहा है कि इस संबंध में अभी तक कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं की गई है।

70 साल से भी पहले कैलिफोर्निया की पालोमर वेधशाला में वैज्ञानिकों ने कई तारों जैसी चमकों की तस्वीरें ली थीं। ये चमकें एक घंटे के अंदर आईं और चली गईं और यह उस समय की बात है जब पहला सैटेलाइट स्पुतनिक 1 लॉन्च भी नहीं हुआ था।

# सुलझ गई 70 साल पुरानी 'यूएफओ मिस्ट्री', पालोमर टेलीस्कोप की तस्वीरों में दिखी अजीब चमक

**वॉशिंगटन।** अब वैज्ञानिकों ने उन पुरानी तस्वीरों को फिर से देखा है। ये शीत युद्ध के दौरान हुए परमाणु हथियारों के परीक्षणों की तारीखों पर या उसके आस-पास दिखाई दीं। अब सवाल आता है कि क्या ये घटनाएं आपस में जुड़ी हो सकती हैं।

### क्यों खास है ये चमक?

वैसे तो आसमान में ऐसी चमकें कभी-कभी बदलते हुए तारों, उल्काओं या कैमरे/दूरबीन की खराबी जैसी सामान्य चीजों के कारण भी दिखाई दे सकती हैं। पालोमर की कई चमकों की खासियतें अलग हैं। उनमें से कुछ नुकीले बिंदु जैसे आकार की थीं जो सीधी लाइन में लगी हुई दिखाई देती थीं। नए शोध के लेखक कहते हैं कि इन चमकों के ऐसे आकार और विशेषताएं किसी भी ज्ञात प्राकृतिक कारण या दूरबीन की खराबी से मेल नहीं खातीं।

### वैज्ञानिकों की इसपर क्या राय है?

इस रिसर्च के सह-लेखक स्टीफन ब्रुहल ने कहा, इसका मतलब है कि हमें कम से कम इस बात पर विचार करना होगा कि ये चमकें कहीं से आई हुई इंसानों द्वारा बनाई गई चीजें हो सकती हैं। स्वीडन के एक वैज्ञानिक के साथ मिलकर ब्रुहल ने यह रिसर्च की है।

### क्यों सहमत नहीं हैं वैज्ञानिक?

सभी वैज्ञानिक इन तस्वीर की डिटेल्स से सहमत नहीं हैं। कुछ वैज्ञानिकों का कबना है कि, उस समय की तकनीकें बहुत लिमिटेड थीं इसलिए इन पुराने डेटा को पक्के तौर पर समझना बहुत मुश्किल है। ब्रिटेन के मैनचेस्टर विश्वविद्यालय के माइकल गैरेट ने पुराने डेटा का इस्तेमाल करने के लिए विलारोएल की टीम की तारीफ की. हालांकि, उन्होंने इन नतीजों को बहुत ज्यादा सही मानने के खिलाफ चेतावनी दी। उन्होंने बताया कि स्पुतनिक से पहले का डेटा अच्छा नहीं था।

### क्या आए रिसर्च के नतीजे?

विलारोएल की टीम ने 2,718 दिनों के टेलीस्कोप डेटा की जांच की और उन्हें 310 रातों में आसमान में अजीब घटनाएं मिलीं। इन रातों में एक ही दिन कई जगहों पर कुल 4,528 चमक दिखाई दी। लेकिन ,ये घटनाओं से ठीक पहले या बाद में ली गई किसी भी तस्वीर में या बाद में किसी भी सर्वेक्षण में दिखाई नहीं दी।

## रोचक खबरें

# पिता के अपमान पर दुल्हन ने मंडप में ही ठुकराया दूल्हा

### मंडप से सीधे जेल पहुंचा दूल्हा

**नई दिल्ली।** सजा-धजा मंडप, रंग-बिरंगी लाइटें, ढोल-नगाड़ों की थाप और शादी की रस्मों की रौनक सब कुछ धरा का धरा रह गया, जब मंडप में पहुंचने के कुछ देर बाद दुल्हन ने दूल्हे से शादी करने से इंकार कर दिय।. यह कोई फिल्मी सीन नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश के वाराणसी के शिवपुर थाना क्षेत्र के बसही इलाके में हुई हकीकत है।

जानकारी के अनुसार, दुल्हन ने शादी से इस तरह इंकार इसलिए किया, क्योंकि लड़के वालों द्वारा लगातार दहेज की मांग की जा रही थी। बताया जा रहा है कि दहेज में 25 हजार रुपए की बकाया राशि को लेकर दूल्हे की मां ने दुल्हन के पिता का अपमान किया।

**दुल्हन ने बुला ली पुलिसः** दुल्हन के पिता ने अपनी बेटी की शादी में पूरा खर्च कर्ज लेकर किया था। लेकिन, इस छोटी-सी रकम के विवाद और अपमान ने दुल्हन को इतना आहत कर दिया कि उसने स्टेज से दूल्हे को उतारते हुए शादी से साफ इंकार कर दिया। घटना के बाद दुल्हन ने तुरंत पुलिस को बुलाया।

पुलिस मौके पर पहुंचकर दूल्हे को हिरासत में ले लिया और उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया। अब इस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। यह घटना दहेज प्रथा की कड़वी हकीकत को सामने लाती है और यह स्पष्ट संदेश देती है कि किसी भी रिश्ते में सम्मान और इज्जत की अहमियत सबसे ऊपर होनी चाहिए।

# फेमस हस्तियों की कब्र के बगल में दफन होने का अजीबोगरीब ऑफर

**पेरिस।** सोचिए...जिंदगी भर हम जिन सितारों को स्क्रीन पर देखते हैं, उनके गाने सुनते हैं, उनके किस्से पढ़ते है।..अगर मौका मिले कि मौत के बाद हमारी आखिरी 'जगह' उन्हीं के बगल में हो तो? सुनने में अजीब लगता है, लेकिन यही सच है। पेरिस में इन दिनों एक ऐसी स्कीम वायरल हो रही है, जिसने लोगों को चौंकाने के साथ-साथ रोमांचित भी किया है। यहां की स्थानीय सरकार ने वो ऑफर लॉन्च कर दिया है, जिसे लोग 'आफ्टरलाइफ सेलिब्रिटी पास ' भी कह रहे है। फ्रांस की राजधानी पेरिस ने दुनिया को हिलाकर रख देने वाला ऑफर शुरू किया है। यहां की नगरपालिका ने एक लॉटरी स्कीम लॉन्च की है, जिसमें लोग अपनी मौत से पहले ही यह तय कर सकते हैं कि उनकी कब्र कहां बनेगी, वो भी किसी मशहूर कलाकार, लेखक या संगीतकार की कब्र के ठीक बराबर में। ये वे कब्रगाह हैं जहां दुनिया की सबसे मशहूर हस्तियां चैन की नींद सोई हुई हैं जैसे- ऑस्कर वाइल्ड, जिम मॉरिसन, एडिथ पियाफ और कई ऐतिहासिक कलाकार. सोचकर देखिए, जिनकी फोटो लोग सालों बाद भी फूल और मोमबत्ती के साथ सजाते है।.

# रूसी फिटनेस इन्फ्लुएंसर के लिए जानलेवा बना 10 हजार कैलोरी जंक फूड चैलेंज

**मॉस्को।** रूस के फिटनेस कोच और इन्फ्लुएंसर दिमित्री नुयानजिन की बिंज-ईटिंग चैलेंज में हिस्सा लेने के बाद मौत हो गई है। रशियन शहर ऑरेनबर्ग के 30 साल के दिमित्री की सोते समय जान चली गई, जब वह ईटिंग चैलेंज के जरिए अपने वेट-लॉस प्रोग्राम को प्रमोट करने की कोशिश कर रहे थे। इस चैलेंज में उनका मकसद कम से कम 25 किग्रा तक वजन बढ़ाना था। ये चैलेंज उनके लिए जानलेवा साबित हुआ और हार्ट फेल होने से मौत हो गई।

नुयानजिन ने इस चैलेंज के तहत कई हफ्ते तक जंक फूड खाया। वह कह रहे थे कि इससे उनके क्लाइंट्स भी उनके साथ वजन कम करने पर काम करेंगे। एक रिपोर्ट के मुताबिक, वह एक दिन में 10,000 से ज्यादा कैलोरी लेते थे। वह अपना ट्रांसफॉर्मेशन दिखाने के लिए इसे पूरी तरह कम करने का प्लान बना रहे थे।

नुयानजिन ने अपनी मौत के एक दिन पहले ट्रेनिंग सेशन कैंसिल कर दिए थे। उन्होंने दोस्तों को बताया कि तबीयत ठीक नहीं है और वह डॉक्टर से मिलेंगे। इसके कुछ घंटे बाद ही सोते समय नुयानजिन का हार्ट फेल हो गया। नुयानजिन की 18 नवंबर की आखिरी इंस्टाग्राम पोस्ट में उन्हें चिप्स खाते हुए दिखाया गया था। उन्होंने बताया था कि अब उनका वजन 13 किलो बढ़कर 105 किग्रा हो गया है। नुयानजिन की मौत को सोशल मीडिया यूजर्स ने चौंकाने वाली बताते हुए परिवार के प्रति अपनी संवेदना जताई है। कई यूजर्स ने कहा कि यह मौत ऐसे चैलेंज लेने वाले युवाओं के लिए एक सबक है। एक यूजर ने लिखा, 'ऐसी थ्योरी को प्रैक्टिकल में साबित करना ठीक नहीं है।

दूसरे ने कहा कि अगर आपको जंकी फ्राइज फास्ट फूड की आदत नहीं है तो यह आपको सच में आपकी जान ले सकता है।

## एआई का युग

शारीरिक बनावट और सौंदर्यात्मक सामंजस्य को शामिल किया

# एआई ने बताया कैसी होनी चाहिए लड़के और लड़की की परफेक्ट बॉडी

**ओटावा।** आज का समय एआई का युग है। हाल ही में वैज्ञानिकों ने एआई के तीन अलग-अलग एआई 'बोट' से सवाल किया कि लड़के और लड़की की आडियल तस्वीर बनाएं। एआई ने फोटो बनाने के लिए चेहरे/शरीर की अनुपातिता, शारीरिक बनावट और सौंदर्यात्मक सामंजस्य को शामिल किया है।

### परफेक्ट बॉडी

एआई ने अपनी कल्पना के आधार पर ये फोटो बनाई है। इन फोटो ने समाज में एक बहस खड़ी कर दी है। वैज्ञानिकों का कहना है कि परफेक्ट बॉडी जैसी अवधारणा की वजह से युवा अपनी बॉडी को उसी पैमाने में मापने लग सकते हैं। परफेक्ट बॉडी की वजह से आने वाले समय में समस्या हो सकती है। फिगर-आधारित फिटनेस या फैशन इंडस्ट्री के दायरे में बनी नॉर्मल बॉडी शेप सेहत के लिए, बल्कि फैशन और कपड़ों की बिक्री के लिए है।

**एआई ने बनाई ये ऐसी फोटो :** आई के परिणाम के अनुसार एक आदर्श महिला का चेहरा आकर्षक, यंग, गोरी और स्टाइलिश कपड़े और वहीं लड़कों को शर्टलेस, काले बाल और एथलीट बॉडी है। अध्ययन के अनुसार डॉ. डेलाने थिबोडो ने कहा कि एआई के द्वारा बनाई गई 300 फोटो की कोडिंग में पाया गया है कि एआई विविधता का अभाव देखने को मिला है। वहीं, अधिकांश फोटो में गोरे लोग दिखाई दे रहे थेष। परफेक्ट शरीर के बारे में विचार काफी बदल गए हैं।

### पतले होने की चाहत देखी गई

उदाहरण के लिए, 1950 के दशक में, जब महिलाएं मर्लिन मुनरो और एलिजाबेथ टेलर जैसी दिखने की चाहत रखती थीं, तब वजन बढ़ाने वाली गोलियां बाजार में आ गईं, जबकि 90 के दशक में महिलाओं में 'हेरोइन चिक' कहे जाने वाले पतले होने की चाहत देखी गई। अध्ययन में, टीम ने यह समझने की कोशिश की कि अब एआई आदर्श पुरुष और महिला शरीर को किस रूप में देखता है।

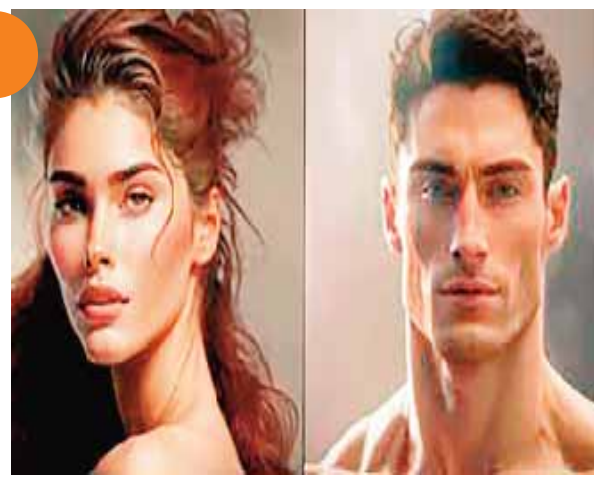



### एथलीट बॉडी

तीन अलग-अलग एआई प्लेटफ़ॉर्म - मिडजर्नी, डॉल-ई और स्टेबल डिफ्यूजन को महिला और पुरुष शरीर, जिनमें एथलीट भी शामिल थे। कुल मिलाक, 300 तस्वीरें तैयार की गईं , 120 पुरुषों की, 120 महिलाओं की और 60 एथलीटों की। इन तस्वीरों के विश्लेषण से कई प्रमुख रुझान सामने आए। ज़्यादातर 66.7 प्रतिशत पुरुष तस्वीरें और 62.5 प्रतिशत महिला तस्वीरें में गोरे लोग दिखाई दे रहे थे। सभी फोटो में यंग लोग नजर आ रहे हैं।

# ब्लाइंड डेट और उड़ गए खाते से 30 लाख, प्यार में लगा बंदे को तगड़ा झटका

**बीजिंग।** चीन में रहने वाले 40 वर्षीय हुआंग झोंगचेंग की कहानी इन दिनों सोशल मीडिया पर खूब चर्चा में है। हुआंग ने एक महिला से सिर्फ चार घंटे की मुलाकात के बाद उसी दिन शादी कर ली, लेकिन इस जल्दबाजी का नतीजा यह हुआ कि एक महीने के भीतर ही उनकी सारी जमा-पूंजी, यानी करीब 2,40,000 युआन (लगभग 34,000 अमेरिकी डॉलर), गायब हो गई। हुआंग का कहना है कि वह महिला एक ब्यूटी सैलून में काम करती है और पहली ही मुलाकात में उसने जिद करके उसी दिन शादी का रजिस्ट्रेशन करवाया। हुआंग के मुताबिक, शादी के बाद उस महिला ने तरह-तरह के खर्चों का हवाला देकर उनकी पूरी बचत खर्च करवा दी। हुआंग हूनान प्रांत के हेंगयांग शहर के रहने वाले हैं। उन्होंने बताया कि 21 अगस्त की सुबह उनकी मुलाकात इस महिला से एक ब्लाइंड डेट पर हुई थी। उन्हें यह भी अजीब लगा कि रास्ते में अचानक आठ अलग-अलग मैचमेकर सामने आ गए। उनके अपने गांव का मैचमेकर पहले से ही साथ था, यानी कुल नौ लोग उसी महिला की सिफारिश कर रहे थे।

### कैसे लगा इतना तगड़ा झटका

हुआंग ने कहा कि इतने सारे लोग उसी लड़की की तारीफ कर रहे थे, मुझे कुछ समझ नहीं आया। वह बार-बार कह रही थी कि आज ही सब कुछ निपटा देते हैं। हुआंग बताते हैं कि उसी दिन शाम करीब पांच बजे दोनों ने शादी का रजिस्ट्रेशन करवा लिया। उन्हें खुद भी यकीन नहीं हो रहा था कि यह सब इतना जल्दी हो गया कि मुझे लगा जैसे सपना देख रहा हूं। उस रात दोनों एक होटल में रुके और वहीं उनका पहला और आखिरी शारीरिक संबंध हुआ। इसके बाद, जब भी वह अपनी पत्नी के करीब आने की कोशिश करते, वह उन्हें दूर कर देती।

# भारत में मिला 37 हजार साल पुराना कांटे वाला बांस!

**नई दिल्ली।** भारत में हुई एक खोज ने पूरे एशिया के आइस एज यानी हिम युग का सीक्रेट सुलझा दिया है। आइस एज का मतलब धरती पर हजारों साल पहले का वो समय, जब धरती का तापमान काफी कम हुआ करता था और चारों तरफ बर्फ ही बर्फ थी। भारत के रिसर्चरों की टीम एक नदी के गाद वाले जमाव में कुछ जांच रही थी तभी एक अलग सी चीज दिखाई दी। वह बांस था। यह एशिया में सबसे पुराने कांटेदार बांस का फॉसिल था।

मणिपुर की इंफाल घाटी में चिरांग नदी के गाद वाले जमाव में शोधकर्ताओं को सही-सलामत बांस का तना मिला है। इस पर बहुत पहले गायब हो चुके कांटों के निशान हैं। एशिया का यह सबसे पुराना कांटेदार बांस का फॉसिल पूरे एशियाई महाद्वीप के वनस्पति इतिहास का नया अध्याय लिख सकता है।

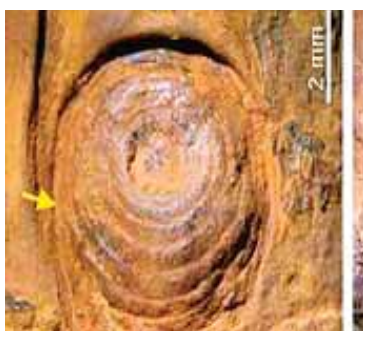




### बांस के तना पर था अजीब निशान

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के एक स्वायत्त संस्थान बीरबल साहनी इंस्टीट्यूशन ऑफ पैलियोसाइंसेज के वैज्ञानिक को मणिपुर की इंफाल वैली में चिरांग नदी के गाद-वाली जगह में सर्वे के दौरान अचानक एक बांस का तना मिला जिस पर अजीब निशान थे। उनके विस्तृत विश्लेषण से पता चला कि ये कांटों के निशान हैं। इससे इसकी पहचान और महत्व के बारे में और जांच शुरू हुई। लैब में इसकी बनावट जैसे नोड्स, कलियों और कांटों के निशान की चांज करके इसे चिमोनोबाम्बुसा जीनस का बताया गया। बैम्बुसा बैम्बोस और चिमोनोबाम्बुसा कैलोसा जैसे मौजूदा कांटेदार बांसों से तुलना करने पर इसके बचाव करने वाले गुणों और इकोलॉजिकल भूमिका को फिर से बनाने में मदद मिली। लैब में इसकी मॉर्फोलॉजी नोड्स, बड्स और कांटों के निशान की स्टडी के जरिए उन्होंने इसे चिमोनोबाम्बुसा जीनस का बताया।

## खगोल

थुम्बा-जहां 1960 के दशक में इसरो शुरू हुआ था

# केरल के इन नामों से जानी जाएंगी मंगल ग्रह की खास जगहें

**नई दिल्ली।** केरल के प्रसिद्ध नाम जैसे थुम्बा, वर्कला, पेरियार, वलियामाला और बेकल अब सिर्फ भारत के शहर नहीं रहे। इन नामों को अब मंगल ग्रह पर मौजूद गड्ढों और घाटियों को दिया गया है जिसे अंतरराष्ट्रीय खगोलीय संघ ने मंजूरी दे दी है। मंगल ग्रह के जैंथे टेरा इलाके में एक 3.5 अरब साल पुराना गड्ढा है, जिसे महान भारतीय भूविज्ञानी एम.एस. कृष्णन को सम्मान देने के लिए यह नाम दिया गया है। मंगल ग्रह की जिन जगहों को केरल से जुड़े ये नाम मिले हैं उनका प्रस्ताव केरल के शोधकर्ता आसिफ इकबाल कक्कासेरी और राजेश वीजे ने दिया था। कक्कासेरी पहले इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ स्पेस साइंस एंड टेक्नोलॉजी)में काम करते थे। अब वे कासरगोड के सरकारी कॉलेज में असिस्टेंट प्रोफेसर हैं। उन्होंने आईआईएसटी के राजेश के साथ मिलकर एक सिसर्च की जिसमें उन्होंने चांद या मंगल पर एक क्रेटर में पुराने समय के ग्लेशियर और नदी बहने के निशान खोजे। 3 बड़ी जगहों के नाम पानी और बर्फ के निशानों के कारण कृष्णन क्रेटर, कृष्णन पलुस और पेरियार वल्लिस रखे गए हैं।



### नामकरण में केरल का योगदान

कुछ क्रेटरों के नाम केरल की जगहों पर रखे गए हैं जैसे वलियामाला जहां आईआईएसटी स्थित है, थुम्बा-जहां 1960 के दशक में इसरो शुरू हुआ था, वर्कला- यहां की चट्टानें मंगल की तरह खास हैं, बेकल- एक ऐतिहासिक किला और पेरियार जो कि केरल की सबसे लंबी नदी है। इन नामों को ऐसे छोटे शहरों के नाम पर रखा गया है जिनकी आबादी 1,00,000 से कम है। इन शहरों के नाम सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण होने के साथ बोलने में आसान हैं। इन नामों के साथ यह पहली बार है कि मंगल ग्रह पर केरल की जगहों के नाम रखे गए हैं। अब ये नाम गंगा और देवेंद्र लाल जैसे अन्य भारतीय नामों के साथ शामिल हो गए हैं।

### शुरुआत में हुई थी मुश्किलें

टीम को शुरुआत में मना कर दिया गया था, क्योंकि नामों को बोलना या नियमों का पालन करना मुश्किल था। लेकिन टीम ने हार नहीं मानी और लगातार कोशिक की और आखिरकार उन्हें आईएयू से मंजूरी मिल गई। उनका शोध मेटियोरिटिक्स एंड प्लैनेटरी साइंस नाम की पत्रिका में छपा है, जो दिखाता है कि मंगल ग्रह पर जैंथ टेरा नाम की जगह पर पानी के निशान हैं।

# धरती का अकेला फल, जो नीला न होते हुए भी दिखता है 'नीला'



**न्यूयार्क।** आपने फल बहुत सारे खाए होंगे। हरेक फल का अपना कोई न कोई रंग जरूर होता है। यह रंग उनके अंदर मौजूद पिगमेंट की वजह से होता है। यानी कि अगर उसमें हरा पिगमेंट होगा तो वह फल हरा दिखेगा और पीला पिगमेंट ज्यादा होता तो पीला नजर आएगा। लेकिन जरा सोचिए, आपको एक ऐसा फल मिले, जो देखने में चमकता नीला हो, लेकिन उसमें नीले रंग का एक भी कण न हो तो कैसा लगेगा। विज्ञान जगत की इस अजीब पहेली पर जहां रिसर्चर उत्साहित हैं, वहीं दुनिया हैरान कि ऐसा कैसे हो सकता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, वैज्ञानिकों ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया, पापुआ न्यू गिनी और इंडोनेशिया के घने बारिश वाले जंगलों में मिलने वाले एक पेड़ पर रिसर्च की है। इस पेड़ का नाम नीला कुआनदोंग है, जिसे कुछ जगह ब्लू मार्बल ट्री के नाम से भी जाना जाता है। इस पेड़ पर लगने वाले फल को देखें तो पहली नजर में ऐसा लगता है, जैसे कि किसी धातु पर नीला पेंट चढ़ा दिया गया हो। यानी कि वह असली फल लगता ही नहीं है। हालांकि, यही इस रिसर्च का सबसे रोमांचक हिस्सा है।

### प्रकृति की सबसे बड़ी 'ऑप्टिकल ट्रिक'

रिसर्च में सामने आया कि ब्लू कुआनदोंग फल का रंग पिगमेंट नहीं, बल्कि संरचनात्मक रंग की वजह से नीला दिखता है। इसे आप ऐसे समझ सकते हैं कि जैसे मोर की गर्दन नीले रंग में चमकती है, तितली के पंख झिलमिलाते हैं और भौंरे पर धातु जैसा रंग दिखाई देता है। शोधकर्ताओं के मुताबिक, इस फल की त्वचा में नैनो-स्तर पर बेहद महीन सेलुलोज परतें होती हैं, जो रोशनी को इस तरह मोड़ती हैं कि सिर्फ नीली तरंगें वापस लौटती हैं और बाकी सभी रंग गायब हो जाते हैं।

जब वैज्ञानिकों ने इसका पिगमेंट निकालने की कोशिश की तो उसमें प्राप्त सामग्री ग्रे निकली। इससे पुष्टि हो गई कि वह फल नीला दिखता तो है, लेकिन उसमें नीला रंग होता नहीं है।

**वनस्पति इतिहास में पहली बार दिखा ऐसा नजारा-** वनस्पति विज्ञान के इतिहास में यह पहली बार है, जब किसी फल में इतनी गहरी नीली चमक देखी गई हो। दुनिया में अब तक ऐसे कुछ ही उदाहरण मिले हैं। जहां पर संरचनात्मक नीला नजर आया है। फलों में तो इस तरह की बात लगभग अनसुनी जैसी थी।

**पक्षियों के लिए प्रकृति का नीला इशारा?**

वैज्ञानिकों का मानना है कि इस फल में गहरा नीला रंग पक्षियों को आकर्षित करने के लिए बना होगा। चूंकि यह फल घने जंगल में उगे पेड़ पर लगता है, जहां सूरज की रोशनी कम पहुंचती है। ऐसे में यह चमकीला नीला फल UV और ब्लू लाइट में दूर से चमक उठता है। जिसकी वजह से पक्षी इसे तुरंत पहचान लेते हैं। वे